



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

जनधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

14-2-1977

सं. 68]

नई दिल्ली, सौमवार, फरवरी 14, 1977/माष 25, 1898

No. 68]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 14, 1977/MAGHA 25, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जारी हैं जिससे इक वाह असर संकलन के लिए में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 14th February 1977

**S.O. 162(E).**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (I) of Section 9 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby specifies the classes of goods manufactured or produced wholly or in part of jute in the scheduled industry of textiles as mentioned in column (2) of the Table below on which a duty of excise shall be levied and collected as a case for the purposes of the said Act for a period of one year commencing from the 1st March, 1977 at such rates as are specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

## THE TABLE

Serial Number	Description of classes of goods	Rate of duty of excise per tonne.
(1)	(2)	(3)
1.	Carpet backing . . . . .	Rs. 6·30 P (Rupees six and paise thirty only).
2.	Hessian and jute fabrics other than sacking, carpet backing and cotton bagging	Rs. 4·50 P (Rupees four and paise fifty only)
3.	Sacking, jute twines and yarns . . . . .	Rs. 3·75 P (Rupees three and paise seventy-five only).

(1)	(2)	(3)
4. Cotton bagging . . . . .	Rs. 2.00 P (Rupees two only).	
5. The manufactures (other than those specified at serial numbers 1 to 4 above) containing 50% or more of jute by weight	Rs. 2.00 P (Rupees two only).	

[No. F. 13(25)/LP/74]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

## उद्योग भवालय

## (प्रौद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1977

का० फा० 162 (म).—केन्द्रीय सरकार (उद्योग विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) से यथा घण्टत वस्तों के प्रनुसारित उद्योगों में सम्पूर्णतः या अंशतः पटसन में विनियमित या उत्पादित उस भाल के बगों को विनिर्दिष्ट करती है जिन पर, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तस्मन्वन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दरों पर, 1 मार्च, 1977 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिए उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ उपकर के रूप में उत्पाद शुल्क उद्यग्नीत और संग्रहीत किया जाएगा।

## सारणी

क्रम सं०	भालों के बगों का वर्णन	प्रतिमीटरी टन उत्पाद-शुल्क की दर
(1)	(2)	(3)
1.	गलीचा अस्तर	6.30 रु० (केवल छह रुपये तीस पसे)
2.	बोरों, गलीचा स्तर और मूती बोरा वस्तु से भिन्न हैं इन और पटसन के कपडे	4.50 रु० (केवल चार रुपये पाँच पसे)
3.	बोरे, पटसन रज्जु और तंतु	3.75 रु० (केवल तीन रुपये पाँच पसे)
4.	सूती बोरा कपड़ा	2.00 रु० (केवल दो रुपये)
5.	ऐसे विनियमि (उन्हीं भिन्न जो ऊपर की क्रम सं० 1 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं) जिनमें पटसन की मात्रा कुल भार का 50% या अधिक हो।	2.00 रु० (केवल दो रुपये)

[सं० फा० 13(25)/ल० ७०/74]

डॉ० के० सक्सेना, संयुक्त मनिष।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मध्यालय, मिल्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मूल्रित तथा निर्याक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977